पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने भारतरत्न डा0 अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की
मजबूत जनतंत्र के लिये ज्यादा से ज्यादा मतदान आवश्यक ---- श्री नाईक

लखनऊः 6 दिसम्बर, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज भारतरत्न डा0 भीमराव अम्बेडकर की परिनिर्वाण दिवस पर अम्बेडकर महासभा लखनऊ में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में आह्वान किया कि बाबा साहब द्वारा दिये गये मतदान के अधिकार का प्रयोग अवश्य करें। 18 वर्ष की आयु प्राप्त सभी नागरिका अपने मताधिकार का प्रयोग करें। मजबूत जनतंत्र के लिये ज्यादा से ज्यादा मतदान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शत-प्रतिशत मतदान वाले केन्द्रों का सम्मान अम्बेडकर महासभा या राजभवन में समारोह आयोजित करके सम्मानित किया जायेगा।

राज्यपाल ने अपने सम्बोधन से पूर्व तमिलनाडु की मुख्यमंत्री सुश्री जयललिता के निधन पर अपनी ओर से तथा प्रदेश की जनता की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि महत्व इस बात का है कि एक महिला होते हुए उन्होंने तमिलनाडु का लम्बे समय तक नेतृत्व किया। महिलाओं को आगे बढ़ाने का एक उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि दिवंग्त जयललिता तमिलनाडु की लोकप्रिय नेता थी।

श्री नाईक ने कहा कि बाबा साहब ने देश को अभूतपूर्व संविधान दिया। हर व्यक्ति को मतदान का अधिकार देना बहुत बड़ी बात है। कई देशों में समान मतदान का अधिकार नहीं है। बाबा साहब ने तर्क के आधार पर संविधान में सबको समान अधिकार दिये हैं। पूर्व राष्ट्रपति डा0 राधाकृष्णन ने कहा था कि एक शिक्षित महिला के होने से पूरा परिवार शिक्षित होता है। इस बात को व्यवहार में लाने के लिये बाबा साहब ने इसे जन आन्दोलन का रूप दिया तथा महिलाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास किया। जनतंत्र में महिला समानता सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डा0 अम्बेडकर सबके लिये आदरणीय हैं।

राज्यपाल ने सुझाव दिया कि नोट बंदी के बाद बैंकों में जमा धन का एक बड़ा भाग केन्द्र सरकार पिछड़ों व दलितों के विकास के लिये प्रयोग करे। उन्होंने यह भी कहा मथुरा के जवाहरबाग काण्ड के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर सुझाव दिया था कि प्रदेश भर की सरकारी जमीन पर श्वेत पत्र जारी किया जाये। सरकारी जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त कराकर भूमिहीनों को वितरित की जा सकती है। अम्बेडकर महासभा के अध्यक्ष श्री लालजी निर्मल द्वारा कही गई बातों पर उन्होंने कहा कि यदि वे अपनी मांगों को लेकर एक प्रत्यावेदन उन्हें देंगे तो वे अपने स्तर से भी केन्द्र सरकार और राज्य सरकार से चर्चा करेंगे।

अम्बेडकर महासभा के अध्यक्ष श्री लालजी निर्मल ने राज्यपाल का इस बात पर धन्यवाद दिया कि उन्होंने पूर्व में भारतीय संविधान की हिन्दी प्रति महासभा को उपयोगार्थ भेंट की थी तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को महासभा के कार्यक्रम में लाने में सहयोग भी किया। उन्होंने मांग की कि भूमिहीन दलितों को जमीन दी जाय तथा दलितों को सुरक्षित जीवन मिले।

इस अवसर पर राज्यपाल ने अम्बेडकर रत्न से सुश्री विद्या गौतम एवं सुश्री पुष्पा वाल्मिकी को शाल, स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अवकाश प्राप्त प्रशासनिक अधिकारी श्री हरीश चन्द्र, श्री अनीस अंसारी, न्यायमूर्ति खेमकरन सहित बड़ी संख्या में विशिष्ट नागरिक जन उपस्थित थे।

अंजुम/ललित/राजभवन (447/13)

भारत रत्न बोधिसत्व बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेडकर महासभा के तत्वावधान में
बाबा साहब डा. भीमराव अम्बेड
परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित
श्रद्धांजलि सभा
तिथि : 6 दिसम्बर 2016, प्रातः 09:00 बजे स्थान : डा0 अम्बेडकर महासभा